'कृतिका कामरा 'मटका किंग' के बाद 'डम्बल' में '

'मटका किंग' की सफलता के बाद अभिनेत्री कृतिका कामरा ने आधिकारिक तौर पर अपनी अगली फीचर फिल्म साइन कर ली है. यह 'मटका किंग' के बाद उनकी पहली घोषित परियोजना है, जिसके दूसरे सीज़न की घोषणा हाल ही में प्राइम वीडियो इंडिया द्वारा की गई है.

कृतिका अब निर्देशक पुषाण मुखर्जी की आगामी ड्रामा फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने जा रही हैं, जिसका फिलहाल वर्किंग टाइटल डम्बल रखा गया है. फिल्म की शूटिंग जून से शुरू होने वाली है.

कृतिका के करियर के अगले बड़े क्रिएटिव कदम के रूप में देखी जा रही यह फिल्म उन्हें एक बिल्कुल नए अंदाज़ में प्रस्तुत करेगी और परफॉर्मेंस-ड्रिवन प्रोजेक्ट्स चुनने की उनकी पहचान को और मजबूत करेगी. हालांकि फिल्म की कहानी को लेकर मेकर्स ने फिलहाल गोपनीयता बनाए रखी है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों के अनुसार 'डम्बल' एक ड्रामा फिल्म है, जिसमें कृतिका एक ऐसा किरदार निभाएंगी जो शारीरिक और भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ बेहद फ्रेश और क्रिएटिव भी है.

अपमान के बाद अनुपमा ने छोड़ा घर

टीवी के सुपरहिट शो 'अनुपमा' में एक बार फिर बड़ा और इमोशनल ट्विस्ट देखने को मिला है. कैफे ओपनिंग के दौरान परिवार और खासकर अपनी बेटी राही द्वारा अपमानित होने के बाद अनुपमा टूट जाती है और घर छोड़कर अचानक गायब हो जाती है. उसकी इस हालत ने पूरे शाह परिवार को चिंता में डाल दिया है, जबकि आने वाले एपिसोड में कहानी में दिग्विजय की एंट्री एक नया मोड़ लाने वाली है.

हाल ही के एपिसोड में दिखाया गया कि राही और प्रेम के कैफे की ओपनिंग के दौरान अनुपमा को अपने ही परिवार के सामने अपमान का सामना करना पड़ता है. सबसे बड़ा झटका उसे तब लगता है जब उसकी बेटी राही भी उसके खिलाफ खड़ी नजर आती है. इस अपमान और दर्द को अनुपमा चुपचाप सह लेती है और बिना कुछ बोले वहां से चली जाती है. वह सिर्फ इतना कहती है कि वह अपने बच्चों को आशीर्वाद देने आई थी, लेकिन उसे एहसास होता है कि शायद उसका वहां आना ही गलत था. इसके बाद वह पूरी तरह टूट जाती है और अचानक गायब हो जाती है, जिससे परिवार के लोग उसे ढूंढने लगते हैं लेकिन उसका कोई पता नहीं चलता.

राम चरण ने जान्हवी को कहा 'छुपा रुस्तम'

दक्षिण भारतीय फिल्म अभिनेता राम चरण ने फिल्म 'पेड्डी' के ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान अपनी सह-कलाकार जान्हवी कपूर की जमकर सराहना की और उन्हें 'छुपा रुस्तम' बताया. इवेंट में राम चरण ने कहा कि जान्हवी कपूर ने फिल्म के लिए चुपचाप और गंभीरता से तैयारी की, जिसका परिणाम शूटिंग के दौरान सभी के सामने एक बड़े सरप्राइज के रूप में आया. उन्होंने कहा कि जान्हवी ने अपने प्रदर्शन से पूरी टीम को प्रभावित किया है और फिल्म में उनका नया और रॉ अवतार दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र होगा.

राम चरण ने शूटिंग के अनुभव साझा करते हुए बताया कि टीम पिछले कई दिनों से लगातार काम कर रही थी और एक गाने की शूटिंग के दौरान जान्हवी का प्रदर्शन सबसे अलग और प्रभावशाली रहा. उन्होंने कहा, 'मुझे गाने की तैयारी के लिए ज्यादा समय नहीं मिला, लेकिन वह आईं और मुझसे कहीं बेहतर कर गईं.'

रामचरण ने कहा कि जान्हवी कपूर ने इस प्रोजेक्ट के लिए बेहद समर्पण और मेहनत के साथ काम किया है. उन्होंने बताया कि जान्हवी मुंबई में बिना किसी चर्चा के लगातार तैयारी करती रहीं और अपने किरदार को पूरी तरह समझने की कोशिश की. राम चरण ने जाह्नवी को 'छुपा रुस्तम' बताते हुए कहा कि उन्होंने अपने करियर में इतनी मेहनत करने वाला कलाकार कम ही देखा है, जो पर्दे के पीछे इतनी गंभीरता से तैयारी करता हो.

इवेंट के दौरान राम चरण थोड़े भावुक भी नजर आए. उन्होंने अपने परिवार से जुड़े फिल्मी इतिहास का जिक्र करते हुए बताया कि उनके पिता और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी ने पहले साथ काम किया था.

मौनी रॉय ने कान्स में लूटी महफिल

टीवी और फिल्म एक्ट्रेस मौनी रॉय इस समय अपने निजी जीवन में चल रही उथल-पुथल के बीच फ्रांस में आयोजित प्रतिष्ठित कान्स फिल्म फेस्टिवल में पहुंच गई हैं. हाल ही में पति सूरज नाम्बियार से अलग होने की पुष्टि के बाद मौनी का यह ग्लैमरस अवतार सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है. फ्रेंच रिवेरा से सामने आई उनकी तस्वीरों में उनका स्टाइलिश ऑल-ब्लैक लुक लोगों का ध्यान खींच रहा है, वहीं यूजर्स उनकी निजी जिंदगी को लेकर भी तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं.

टीवी इंडस्ट्री से बॉलीवुड तक अपनी पहचान बना चुकीं अभिनेत्री मौनी रॉय एक बार फिर सुर्खियों में हैं, लेकिन इस बार वजह उनकी कोई फिल्म नहीं बल्कि उनका निजी जीवन और कान्स फिल्म फेस्टिवल में उनकी मौजूदगी है. हाल ही में मौनी ने अपने पति सूरज नाम्बियार से अलग होने की आधिकारिक पुष्टि की थी, जिसके कुछ ही दिनों बाद वह अपनी आगामी फिल्म 'बॉम्बे स्टोरीज' की स्क्रीनिंग के लिए फ्रांस पहुंच गईं.

मौनी रॉय को सोमवार सुबह मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया था, जहां वह जल्दबाजी में नजर आईं और मीडिया से बातचीत से बचते हुए सीधे टर्मिनल के अंदर चली गईं. इसके बाद उन्होंने कान्स पहुंचकर सोशल मीडिया पर अपनी पहली तस्वीरें साझा कीं, जिसने इंटरनेट पर हलचल मचा दी.

फ्रेंच रिवेरा से शेयर की गई तस्वीरों में मौनी रॉय एक बेहद आकर्षक ऑल-ब्लैक लुक में नजर आईं. उन्होंने फिटेड ब्लैक मिनी ड्रेस पहनी थी, जिसके साथ सफेद हॉल्टर नेकलाइन का कॉम्बिनेशन उनके लुक को और भी स्टाइलिश बना रहा था. इसके ऊपर उन्होंने एक लंबा डार्क कोट कैरी किया था, जो पूरे आउटफिट को एक एलिगेंट और इंटरनेशनल फैशन वाइब दे रहा था.

कॉमेडियन समय रैना के शो में पहुंचीं आलिया भट्ट

कॉमेडियन समय रैना के चर्चित शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट 2' से जुड़ी एक तस्वीर ने सोशल मीडिया पर नई बहस छेड़ दी है. वायरल तस्वीर में बॉलीवुड अभिनेत्री आलिया भट्ट और शरवरी वाघ शो के सेट पर नजर आ रही हैं, जिसके बाद फैंस और नेटिजन्स अलग-अलग प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं. कुछ लोगों का मानना है कि यह शो अब फिल्मों के प्रमोशन का मंच बनता जा रहा है, जबकि कई यूजर्स तस्वीर की असलियत पर भी सवाल उठा रहे हैं.

समय रैना का शो 'इंडियाज गॉट लेटेंट' पहले सीजन से ही विवादों और चर्चाओं में रहा है. शो में कई बार ऐसे जोक्स और टिप्पणियां देखने को मिलीं, जिन पर सोशल मीडिया में तीखी प्रतिक्रिया हुई. पहले सीजन के दौरान कंटेंट को लेकर भारी विवाद हुआ था, जिसके बाद शो के कई एपिसोड हटाने पड़े थे. अब लंबे समय बाद शो के दूसरे सीजन की घोषणा हुई है और इसके साथ ही यह एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है. हाल ही में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक तस्वीर वायरल हुई, जिसमें आलिया भट्ट और शरवरी वाघ शो के सेट पर दिखाई दीं. दावा किया जा रहा है कि दोनों कलाकार शो के दूसरे सीजन की शुरुआती गेस्ट हो सकती हैं. हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. वायरल तस्वीर सामने आते ही सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे लेकर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं देना शुरू कर दिया.

'कल्कि 2' के लिए कमल हासन का बड़ा फैसला

प्रभास की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'कल्कि 2' एक बार फिर सुर्खियों में है, लेकिन इस बार वजह कहानी या शूटिंग नहीं बल्कि दिग्गज अभिनेता कमल हासन का बड़ा फैसला है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म में 'सुप्रीम यास्किन' का किरदार निभा रहे कमल हासन ने अपनी ग्रैंड और लग्जरी ट्रैवल डिमांड्स को छोड़कर सादगी भरा कदम उठाया है, जिसकी हर तरफ चर्चा हो रही है.

'कल्कि 2898 एडी' साल 2024 की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक रही थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की थी. इस फिल्म ने भारतीय सिनेमा में साइ-फाई और माइथोलॉजी का एक नया मिश्रण पेश किया था, जिसे दर्शकों ने काफी पसंद किया. अब इसी कहानी का अगला अध्याय यानी 'कल्कि 2' तेजी से तैयार किया जा रहा है, जिसमें कहानी और भी ज्यादा बड़े स्तर पर आगे बढ़ेगी.

पहली फिल्म में प्रभास, अमिताभ बच्चन और कमल हासन जैसे दिग्गज कलाकारों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी. हालांकि कमल हासन का किरदार पहले भाग में बहुत छोटा था और उनका लुक केवल क्लाइमैक्स में ही सामने आया था, लेकिन सीक्वल में उनकी भूमिका काफी अहम मानी जा रही है. कहा जा रहा है कि इस बार कहानी मुख्य रूप से उनके किरदार 'सुप्रीम यास्किन' के इर्द-गिर्द आगे बढ़ेगी, जो फिल्म का प्रमुख विलेन है. इसी बीच मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि कमल हासन ने शूटिंग के दौरान एक बड़ा और सराहनीय फैसला लिया है. उन्होंने महंगे प्राइवेट चार्टर्स और लग्जरी ट्रैवल को पूरी तरह से छोड़ दिया है और शूटिंग लोकेशन पर इकोनॉमी क्लास में यात्रा कर पहुंचकर सभी को चौंका दिया.

शैलेश निभाएंगे हस्तिनापुर के वीर में वेदव्यास का किरदार

अभिनेता शैलेश दातार सोनी सब के शो हस्तिनापुर के वीर में महान ऋषि वेदव्यास का किरदार निभाते नजर आयेंगे. अनुभवी अभिनेता शैलेश दातार, जो टेलीविजन, थिएटर और पौराणिक धारावाहिकों में अपनी दमदार अभिनय शैली के लिए जाने जाते हैं, इस किरदार में गंभीरता और गहराई लेकर आ रहे हैं.

अपने किरदार के बारे में बात करते हुए शैलेश दातार ने कहा कि वेदव्यास केवल एक ऋषि नहीं बल्कि मानव स्वभाव, उसके निर्णयों और उनके परिणामों को गहराई से समझने वाले द्रष्टा हैं. उन्होंने कहा कि इस किरदार को निभाने के लिए उन्हें शांति, संतुलन और आंतरिक गहराई को आत्मसात करना पड़ा. उन्होंने कहा कि वेदव्यास का दृष्टिकोण आज भी प्रासंगिक है.

तुलसी के फैसले से मचा विरानी परिवार में बवाल

टीवी के पॉपुलर सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' में आने वाले एपिसोड्स में जबरदस्त ड्रामा देखने को मिलेगा. एक तरफ रियो का सच जानने का जुनून बढ़ता जा रहा है, वहीं दूसरी तरफ तुलसी का एक बड़ा फैसला पूरे विरानी परिवार में तूफान खड़ा कर देता है. आने वाले ट्विस्ट में रिश्तों, शक और सच की लड़ाई और भी गहरी होती नजर आएगी.

स्टार प्लस का मशहूर धारावाहिक 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी 2' एक बार फिर अपने हाई-वोल्टेज ड्रामे को लेकर चर्चा में है. हालिया एपिसोड में जहां परी और अजय की शादी ने कहानी को भावनात्मक मोड़ दिया, वहीं अब आने वाले एपिसोड्स में कई बड़े ट्विस्ट दर्शकों को चौंकाने वाले हैं. कहानी की शुरुआत होती है नंदिनी से, जो डर और घबराहट में करण के पास जाती है और उसे रियो के बारे में सच बताती है. शुरुआत में करण इस बात पर यकीन नहीं करता, लेकिन धीरे-धीरे उसे एहसास होता है कि मामला उतना आसान नहीं है जितना वह समझ रहा था. इसके बाद वह रियो से मिलने निकल पड़ता है.

कृषि जगत

खजूर के बीज सेहत के लिए वरदान

खजूर के बीजों में मौजूद पोषक तत्व शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाते हैं. विशेषज्ञों के मुताबिक इनमें भरपूर मात्रा में डाइटरी फाइबर पाया जाता है, जो पाचन तंत्र को बेहतर बनाने में मदद करता है. नियमित रूप से सीमित मात्रा में इसका सेवन करने से कब्ज और पेट संबंधी समस्याओं में राहत मिल सकती है.

इसके अलावा खजूर के बीज एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होते हैं, जो शरीर में फ्री रेडिकल्स के असर को कम करने में मदद करते हैं. इससे शरीर की कोशिकाएं सुरक्षित रहती हैं और समय से पहले बूढ़ा होने की प्रक्रिया धीमी हो सकती है. कुछ अध्ययनों में यह भी माना गया है कि खजूर के बीज हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने में सहायक हो सकते हैं.

खजूर के बीजों का इस्तेमाल आमतौर पर पाउडर बनाकर किया जाता है. इसके लिए बीजों को अच्छी तरह धोकर सुखाया जाता है और फिर हल्का भूनकर पीस लिया जाता है. तैयार पाउडर को गर्म पानी, दूध या हर्बल ड्रिंक में मिलाकर सेवन किया जा सकता है.

कई लोग इसे कॉफी के हेल्दी विकल्प के रूप में भी पसंद कर रहे हैं. खजूर के बीज में प्राकृतिक ऊर्जा देने वाले तत्व पाए जाते हैं, जिससे शरीर में कमजोरी और थकान कम महसूस हो सकती है.

फसलों को कीटों का खतरा?

अपने खेत में लगाएं फेरोमोन ट्रैप

फेरोमोन ट्रैप खेती में इस्तेमाल होने वाली एक आधुनिक और वैज्ञानिक तकनीक है, जिसका उद्देश्य खेतों में नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को नियंत्रित करना है. इसमें विशेष प्रकार की गंध का उपयोग किया जाता है, जो नर कीटों को अपनी ओर आकर्षित करती है. जैसे ही कीट ट्रैप के पास पहुंचते हैं, वे उसमें फंस जाते हैं और उनकी संख्या तेजी से कम होने लगती है. इससे कीटों का प्रजनन चक्र टूटता है और फसल पर हमला घट जाता है.

कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, फेरोमोन ट्रैप का सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे कीटनाशक दवाओं पर निर्भरता कम होती है. किसान कम दवा का उपयोग करके भी बेहतर परिणाम हासिल कर सकते हैं. इससे खेती की लागत घटती है और फसल में रासायनिक अवशेष भी कम रहते हैं. बाजार में ऐसी फसलों की मांग ज्यादा रहती है, जो कम रसायनों के साथ तैयार की गई हों.

फेरोमोन ट्रैप को फसल की ऊंचाई के अनुसार खेत में लगाया जाता है. सामान्य तौर पर एक एकड़ में 4 से 6 ट्रैप पर्याप्त माने जाते हैं. ट्रैप में लगी ल्योर को समय-समय पर बदलना जरूरी होता है, ताकि उसकी गंध प्रभावी बनी रहे.

मानसून के मौसम में जब कीटों का प्रकोप तेजी से बढ़ता है, तब यह तकनीक किसानों के लिए काफी मददगार साबित होती है.

खेती में बढ़ती लागत और कीटनाशकों के दुष्प्रभावों के बीच फेरोमोन ट्रैप किसानों के लिए एक सुरक्षित और टिकाऊ विकल्प बनकर उभर रहा है. समय रहते इसका उपयोग किसानों को बेहतर उत्पादन और अधिक मुनाफा दिलाने में मदद कर सकता है.

कपास में गुलाबी सुंडी, धान में तना छेदक, टमाटर और मिर्च में फल छेदक जैसे कीटों को नियंत्रित करने में फेरोमोन ट्रैप बेहद उपयोगी माना जा रहा है. कई राज्यों में कृषि विभाग किसानों को जागरूक करने के लिए प्रशिक्षण और अनुदान भी दे रहा है. यदि किसान शुरुआत से ही निगरानी और नियंत्रण की इस तकनीक को अपनाएं, तो फसल नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता है.

गमले में आसानी से उगाएं चिया सीड्स

चिया सीड्स उगाने के लिए सबसे पहले सही गमले का चुनाव करना जरूरी है. कम से कम 8 से 10 इंच गहरा गमला लें, ताकि पौधों की जड़ें आसानी से फैल सकें. इसके बाद अच्छी जल निकासी वाली मिट्टी तैयार करें. मिट्टी में कोकोपीट, गोबर खाद और सामान्य गार्डन सॉयल को मिलाकर इस्तेमाल करना बेहतर माना जाता है.

अब गमले में मिट्टी भरकर उसे हल्का नम करें. चिया सीड्स बहुत छोटे होते हैं, इसलिए उन्हें ज्यादा गहराई में दबाने की जरूरत नहीं होती. बीजों को मिट्टी की ऊपरी सतह पर हल्के हाथ से छिड़क दें और ऊपर से बहुत पतली मिट्टी की परत डाल दें। इसके बाद स्प्रे बोतल से हल्का पानी दें, ताकि बीज अपनी जगह से हटें नहीं. चिया पौधों को रोजाना 4 से 6 घंटे की धूप मिलनी चाहिए. इसलिए गमले को ऐसी जगह रखें जहां पर्याप्त धूप आती हो.

गर्मियों में मिट्टी सूखने पर हल्का पानी देते रहें, लेकिन ज्यादा पानी से बचें क्योंकि इससे जड़ें खराब हो सकती हैं. करीब 7 से 10 दिनों में छोटे पौधे निकलने लगते हैं. जैसे-जैसे पौधे बड़े होते जाएं, कमजोर पौधों को हटाकर उचित दूरी बनाए रखें। लगभग 3 से 4 महीनों में पौधों में फूल और बीज बनने लगते हैं. जब फूल सूख जाएं तो उन्हें काटकर सुखा लें और फिर बीज अलग कर लें.

घर में उगाए गए चिया सीड्स पूरी तरह ताजे और केमिकल फ्री होते हैं. इन्हें स्मूदी, दूध, ओट्स, सलाद और डिटॉक्स ड्रिंक्स में इस्तेमाल किया जा सकता है. कम मेहनत और कम खर्च में तैयार होने वाला यह पौधा अब शहरी लोगों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है.

मई-जून की गर्म हवाओं से बचाएं अपनी लीची

दूर करें फ्रूट क्रैकिंग की समस्या

लीची की खेती किसानों के लिए एक बेहद मुनाफे का सौदा मानी जाती है. अपनी अनूठी मिठास और रसीले स्वाद के कारण बाजार में इसकी मांग हमेशा बनी रहती है. जिससे किसानों को कम समय में बेहतर आमदनी मिलती है. हालांकि, इस मुनाफे के साथ ही लीची उत्पादक किसानों को कई बड़ी चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है. इनमें सबसे प्रमुख समस्या है 'फ्रूट क्रैकिंग' यानी लीची के फलों का फटना. तापमान में अचानक उतार-चढ़ाव, गर्म हवाएं और नमी की कमी के कारण फल पकने से पहले ही फटने लगते हैं, जिससे फल की गुणवत्ता खराब हो जाती है और किसानों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता है.

जिला उद्यान अधिकारी डॉ. पुनीत कुमार पाठक ने बताया कि लीची में फलों का फटना एक गंभीर समस्या है, जो पूरी फसल को प्रभावित कर सकती है. यह मूल रूप से एक 'फिजियोलॉजिकल डिसऑर्डर' है. इससे बचाव के लिए फल आते समय खेत में नमी का विशेष ध्यान रखना चाहिए. इसके लिए मिट्टी की फील्ड कैपेसिटी के अनुसार नियमित रूप से सिंचाई करना जरूरी है. इसके अलावा, इस समस्या के समाधान के लिए 0.4 ग्राम प्रति लीटर की दर से बोरेक्स का घोल बनाकर 10-10 दिनों के अंतराल पर फसल पर छिड़काव करें, जिससे फल फटने की समस्या को काफी हद तक नियंत्रित किया जा सकता है.

लीची के फलों को फटने से बचाने के लिए बागों में उचित नमी बनाए रखना बेहद जरूरी है. जब फल पूरी तरह सेट हो जाएं, तो सिंचाई का विशेष ध्यान रखें. किसान मिट्टी की जांच कर लें, अगर हाथ में उठाने पर मिट्टी का गोला बन जाता है, तो नमी पर्याप्त है. खेतों में अत्यधिक पानी भरने से भी बचना चाहिए, क्योंकि इससे भी फल फटने की दर बढ़ जाती है.